the pioneer

LUCKNOW | WEDNESDAY | AUGUST 25, 2021

MGKV V-C for research on social issues

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Week-long Faculty Development Programme (FDP) on 'Enhancing Faculty Competency vis-à-vis National Education Policy' was inaugurated at School of Management Sciences (SMS) here on Tuesday in which the Vice-Chancellor of Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth (MGKV) Prof Anand Kumar Tyagi was the chief guest, while V-C of Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga (Bihar) Prof SK Singh was guest of honour.

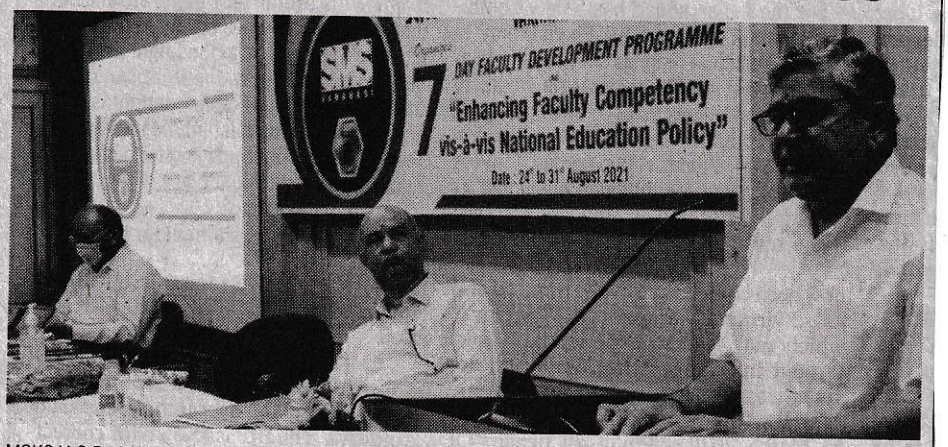

MGKC V-C Prof AK Tyagi addressing a FDP at SMS in Varanasi on Tuesday. Pioneer

Addressing the function, Prof AK Tyagi threw light on National Education Policy (NEP) and highlighted the four main aspects of changes and relations of knowledge. He said that in the NEP, thrust was given to research in higher education and added that the research should be focused on social issues. He also highlighted the importance of digital media in education.

Prof SK Singh said that an important place was given to teacher competency in NEP and many changes have been introduced in it right from primary to higher education. He said that teachers would play a key role in its implementation and appealed to the teachers to realise their responsibilities.

In the first technical session, ex-VC of APS University, Rewa (MP) Prof Piyush Ranjan Agrawal, while presenting data of all India higher education, highlighted the importance of NEP. SMS Director Prof PN Jha highlighted the academic achievements of the institute, while convenor Amitabh Pandey gave the details of week-long FDP in which 11 technical sessions will be organised.

Dr Pallavi Pathak conducted the proceedings, while Prof Sandeep Singh proposed the vote of thanks. Among those who were also present were Prof ADN Bajpai (V-C, Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya, Bilaspur), Prof AK Singh (V-C, Sri Sri University, Cuttack) Dr CS Sharma (Shri Ram College of Commerce), Prof Gyan Prakash Singh (BHU), V Evelyn Brindha (KCDC Karunya University Coimbatore), Prof MR Suresh (SDMIMD Mysore) and Dr Tejinderpal Singh (Punjab University, Chandigarh).

दैनिक जागरण

वाराणसी, 25 अगस्त, 2021

जनमानस को शिक्षा से जोड़ना ही नई शिक्षा नीति का उद्देश्य

वाराणसी (वि.) : काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य जनमानस को शिक्षा से जोड़ना है। वहीं ज्ञान परिवर्तनशील होता है। ऐसे में शिक्षकों को नवीनतम ज्ञान से अपडेट रहने की जरूरत है।

वह मंगलवार को स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज में आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में गुणवत्तायुक्त शोध की बात कही गई है। ऐसे में सामाजिक समस्याओं के समाधान पर आधारित शोध करने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि प्रो. एसके सिंह, एपीएस विश्वविद्यालय-रीवा के पूर्व कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल, संस्था के निदेशक प्रो. पीएन झा सहित अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। संयोजन एसोसिएट प्रो. अभिताभ पांडेय ने किया।

दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 25 August 2021

नवीन शिक्षा नीति विविधता का मानचित्रण-प्रो आनंद त्यागी

एसएमएस में सप्ताह व्यापी फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

varanasi@inext.co.in

VARANASI (24 Aug): खुशीपुर स्थित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में मंगलवार को सप्ताह व्यापी फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ. मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने नवीन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि हमारा देश विभिन्नताओं का देश है. इस नवीन शिक्षा नीति के अनुसार हम शिक्षकों को विभिन्नताओं का मानचित्रण करना होगा. विशिष्ठ अतिथि प्रो. एसके सिंह ने टीचर कम्पीटेंसी शिक्षक क्षमता पर प्रकाश डाला. कहा कि नवीन शिक्षा नीति में पाठशाला से लेकर विवि स्तर तक विभिन्न परिवर्तन हुए हैं. इसके क्रियान्वयन ने शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है. इसलिए शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा. प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने विचार रखे. एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा ने संस्था की शैक्षणिक उपलब्धियां सामने रखीं. प्रो. अमिताभ पांडेय ने सप्ताह व्यापी चलने वाली एफडीपी की रूपरेखा बताया.

हिन्दुस्तान
वाराणसी • बुधवार • 25 अगस्त 2021

एसएमएस में फैकल्टी डेवलपमेंट सप्ताह शुरू

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के खुशीपुर परिसर में मंगलवार को सप्ताहव्यापी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एके त्यागी व विशिष्ट अतिथि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसके सिंह रहे। एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा ने शिक्षा को जन एवं समाज हितकारी बनाने का आह्वान किया। संयोजक डॉ. अमिताभ पांडेय रहे।

कुलपति प्रो. एके त्यागी को स्मृति चिह्न देते प्रो. पीएन झा।

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। बुधवार • 25 अगस्त • 2021

नवीन शिक्षा नीति विविधता का मानचित्र : प्रो. आनंद

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) द्वारा सप्ताहव्यापी फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'इंहैसिंग फेकल्टी कॉम्पेटेंसी वाईज ए वाईज नेशनल एडुकेशन पॉलिसी' का शुभारंभ मंलवार को खुशीपुर स्थित परिसर

एसएमएस में सप्ताहव्यापी फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने किया। विशिष्ट अतिथि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसके सिंह रहे।

शिक्षाविद प्रो. त्यागी ने नवीन नेशनल एजुकेशन पालिसी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा देश विभिन्नताओं का देश है, इस नवीन शिक्षा नीति के अनुसार हम शिक्षकों को विभिन्नताओं का मानचित्रण करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समझना होगा कि ज्ञान क्याहै, ज्ञान का प्रभावी प्रसारण किस विधि से किया जाये, यह महत्वपूण है। उन्होंने कहा कि ज्ञान परिर्वतनशील है, ज्ञान का परिर्वतन एवं सम्बद्ध चार समय, भौगोलिक स्थान, समाज एवं निकाय महत्वपूर्ण चार विन्दुओं पर निर्धारित है। नवीन शिक्षा नीति के अनुसार उच्च शिक्षा में शोध का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि शोध न केवल प्रकाशन हेतु अपितु सामाजिक समस्याओं के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा में डिजिटल मीडिया के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षा को जनमानस से जोड़ना ही शिक्षा नीति की सार्थकता है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. एसके सिंह ने टीचर कम्पीटेंसी (शिक्षक क्षमता) पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवीन शिक्षा नीति में शिक्षक क्षमता का महत्वपूर्ण स्थान है। नवीन शिक्षा निति में पाठशाला से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक विभिन्न परिर्वतन हुए हैं, इसके क्रियान्वयन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा एवं स्वयं के शिक्षक क्षमता में परिर्वतन लाना होगा। प्रो. सिंह ने नवीन शिक्षा नीति के अनुसार कई नवीन परिर्वतन पर चर्चा की, जिनमें स्नातक उपाधि, विद्यालयी शिक्षा एवं शोध प्रणाली प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को रिसर्चर, काउंसलर एवं करिकुलम डिजाइनर की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

प्रथम तकनीकी सत्र में एपीएस विवि रीवा के पूर्व कुलपति प्रो. पीयुष रंजन अग्रवाल ने आल इंडिया हायर एजुकेशन का आंकड़ा को साझा करते हुए भारत के उच्च शिक्षा का सम्पूर्ण मानचित्र प्रस्तुत किया एवं नवीन शिक्षा नीति की आवश्यकता एवं महत्ता को बताया। एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा ने संस्था की शैक्षणिक उपलब्धियों को इंगित करते हुए शिक्षा को व्यावहारिक रूप से जन एं समाज हितकारी बनाने का शिक्षकों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के विकास के साथ ही उनमें मानवीय पक्ष एवं समाज के प्रति उनके जिम्मेदारी निभाने की निष्ठा का होने भी अतिआवश्यक है। जिसमें शिक्षकों को अपनी भूमिका निभानी है।

कार्यक्रम का संयोजन एसोसिएट प्रोफेसर अमितभा पांडेय ने सप्ताहव्यापी कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अमर उजाला

बुधवार, 25 अगस्त 2021

एसएमएस में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

वाराणसी। स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के सत्पाहव्यापी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का मंगलवार को खुशीपुर स्थित परिसर में शुभारंभ हुआ। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी सत्र के मुख्य अतिथि और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति एसके सिंह वरिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद थे। श्री त्यागी ने नई नेशनल एजुकेशनल पालिसी पर प्रकाश डाला। प्रथम तकनीकी सत्र में एपीएस विश्वविद्याल रीवा के भूतपूर्व कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने उच्च शिक्षा पर प्रकाश डाला। एसएमएस के निदेशक प्रो. पीएन झा ने संस्था की शैक्षणिक उपलब्धियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक एसोसिएट प्रोफेसर अमिताभ पाडेय ने एफडीपी की रूपरेखा बताई।

आज

बुधवार २५ अगस्त, २०२१

नवीन शिक्षा नीति विविधता का मानचित्रण

काशी विद्यापीठ के वाइस चांसलर प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि हमारा देश विभिन्नताओं का देश है, इस नवीन शिक्षा नीति के अनुसार हम शिक्षकों को विभिन्ताओं का मानचित्रण करना होगा। शिक्षकों को समझना होगा कि ज्ञान क्या है, ज्ञान का प्रभावी प्रसारण किस विधि से किया जाय।प्रोफेसर त्यागी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एस.एम.एस.) के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तुलना में संकाय योग्यता में वृद्धि करना विषयक सप्ताहव्यापी फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति के अनुसार उच्च शिक्षा में शोध का महत्वपूर्ण स्थान है। शोध न केवल प्रकाशन हेतु अपितु सामाजिक समस्याओं के लिए किया जाना चाहिए। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस चांसलर प्रोफेसर एस.के. सिंह ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में शिक्षक क्षमता का महत्वपुर्ण स्थान है । नवीन शिक्षा नीति में पाठशाला से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक विभिन्न परिवर्तन हुए है इसके क्रियान्वयन ने शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा । ए.पी.एस. विश्वविद्यालय रीवा मध्यप्रदेश के पूर्व वाइस चांसलर प्रोफेसर ने पीयुष रंजन अग्रवाल ने भारत के उच्च शिक्षा का सम्पूर्ण मानचित्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये एस.एम.एस. के निदेशक प्रोफेसर पी. एन. झा ने कहा कि आज विद्यार्थियों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के विकास के साथ ही उनमें मानवीय पक्ष एवं समाज के प्रति उनके जिम्मेदारी निभाने की निष्ठा का होना भी अति आवश्यक है। जिसमें शिक्षकों को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। कार्यक्रम के संयोजक असोशिएट प्रोफेसर अमिताभ पाण्डेय ने सप्ताह व्यापी चलने वाली एफ.डी.पी. की रूप रेखा को बताया एवं संचालन डॉक्टर पल्लवी पाठक तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर संदीप सिंह ने किया।